राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण प्रतिष्ठान
निगमित कार्यालय, फरीदाबाद

चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी का स्मरण उत्सव- रिपोर्ट

एनपीटीआई, निगमित कार्यालय, फरीदाबाद पर दिनांक 18 अप्रैल, 2017 को सांय 3.00 बजे ऑडिटोरियम में एनपीटीआई अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एमबीए/पीजीडीसी छात्रों द्वारा **चम्पारण सत्याग्रह के स्मरण शताब्दी के उपलक्ष्य पर** प्रदर्शनी व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम श्रीमती अल्का यादव, सहायक प्रोफे0 ने अपने शब्दों में महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह के स्मरण शताब्दी के उपलध्य पर विस्तार से बताया । इसके उपरान्त एमबीए/पीजीडीसी के छात्रों ने प्रो0 (डा0) राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, महानिदेशक, श्री जे.एस.एस.राव, प्रधान निदेशक, डा0 एस.के. चौधरी, प्रधानाचार्य, और श्री आर.के. मिश्र, निदेशक (वित्त एवं प्रशासन) का पुष्प गुच्छों से स्वागत किया ।

श्रीमती अल्का यादव, सहायक प्रोफे0 ने माननीय महानिदेशक महोदय को चम्पारण सत्याग्रह के संबंध में अपने सुविचार प्रकट करने के लिए आमंत्रित किया है ।

माननीय महानिदेशक महोदय ने अपने संबोधन में सभी छात्रों, ट्रेनीज और एनपीटीआई के अधिकारियों/कर्मचारियें को बताया कि महात्मा गांधी ने चम्पारण सत्याग्रह आंदोलन करने से पूर्व स्वयं को सत्य के आचरण पर चलने के लिए सचेत किया और वह आचरण ही उनका सत्याग्रह से जुड़ने के लिए लोगों को प्रेरित किया ।

माननीय महानिदेशक महोदय ने अपने संबोधन में कहा, "इस अवसर पर सर्वप्रथम मैं अपने नवयुवकों को यह संदेश देना चाहता हूं कि भारतवर्ष में हम सभी महापुरूषों की जयन्ती मनाते हैं सभी महापुरूषों द्वारा किए गए कार्यों के वर्णन की प्रशंसा करते हैं । महात्मा गांधी जी ने जब-जब राष्ट्र के लिए एकजुट होकर कार्य किया इसका भी उनका स्वयं का आचरण उनकी मानसिक स्थिति और सबसे बड़ी जो चीज है समर्पण इस सत्याग्रह चम्पारण सत्याग्रह में यह दिखाई दिया । "

इसके उपरान्त एमबीए/पीजीडीसी के छात्रों ने चम्पारण सत्याग्रह के शताब्दी वर्ष के स्मरण में सांस्कृतिक नाटक के माध्यम से सभी श्रोतागणों को में मंत्रमुग्ध कर दिया ।

अंत में श्रीमती अल्का यादव, सहायक प्रोफे0 ने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों एवं छात्रों को धन्यवाद के साथ यह प्रदर्शनी/सांस्कृतिक नाटक का समापन किया ।